चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	13.03.23	3	1-5

भास्कर खास • सोलर हारे से चंद घंटों में तैयार होगा पशु आहारा, कम कीमत को देखते हुए लोगों में चर्चा का विषय रहा

प्रदूषण रहित होगा सोलर हारा, उबलने के बाद भी दूध नहीं निकलेगा

महबूब अली | हिसार

एचएयू के वैज्ञानिकों ने विशेष प्रकार का सोलर हारा तैयार किया है। जो पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाने में भी अहम भूमिका निभाएगा। यही नहीं उबलने के बाद भी दूध हारा से बाहर नहीं निकलेगा। एचएयू में शुरू हुए कृषि विकास मेले में सोलर हारा को खरीदने के लिए किसान और लोगों की भीड़ लगी रही। कई लोगों ने भी सोलर हारा की बुकिंग कराई।

दरअसल ऐसा होता है कि देहात क्षेत्र में मिट्टी या फिर अन्य हारा में यदि दूध या फिर पशु आहार तैयार किया जाता है तो उपले और लकड़ी का प्रयोग होने के कारण पर्यावरण भी प्रदूषित होता है। साथ ही, महिलाओं को धुएं के कारण कई बार आंखों में जलन और अन्य परेशानी होती है। एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि महिलाओं की इसी समस्या का देखते हुए विशेष प्रकार का सोलर हारा वैज्ञानिकों ने रिसर्च के बाद तैयार किया है। जिसे लोगों द्वारा अधिक पसंद भी किया जा रहा है।

हारे की कीमत कीमत सिर्फ 5 हजार रुपये रखी गई है। जिसकी खासियत यह होगी कि इसे चलाने के लिए लकड़ी या फिर उपलों की जरूरत नहीं पड़ेगी। दूध उबलने के बाद भी हारे से बाहर नहीं निकलेगा। सोलर से ही हारा चलेगा। इससे पर्यावरण को भी दूषित होने से बचाया जा सकेगा। दूध का स्वाद गांव में हांडी में गर्म किए गए दूध की तरह ही होगा।

सोलर हारा पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाने में भी अहम भूमिका निभाएगा। विशेषकर महिलाओं के लिए इसे तैयार कराया गया है।

सोलर हारा।

जानिए... सोलर हारे की खासियत

- यह सौर ऊर्जा द्वारा चलने वाली प्रदूषण मुक्त तकनीक है।
- यह मुख्यत: पशु चाट यानी पशु आहार बनाने और दूध पकाने के काम आता है।
- गर्मियों में इसके द्वारा दो समय की पशु चाट एवं एक बार दूध पका सकते हैं।
- सर्दियों में इसका प्रयोग एक बार चाट एवं एक बार दूध पकाने में किया जा सकता है।
- जब बाहरी परिवेश का तापमान 42 डिग्री सेल्सियस होता तब सोलर हारा का तापमान 105 डिग्री होता है
- सोलर हारा के अंदर रखा हुआ दूध उफनाकर बाहर नहीं आता है।
- यह पशु चाट एवं दूध पकाने का सस्ता और सरल उपाय है।
- यह ग्रामीण महिलाओं की धुएं से होने वाली हानियों से रक्षा करता है।
- इसके प्रयोग से पारंपरिक ईंधन जैसे लकड़ी, उपले आदि की बचत होती है।, जसका इस्तेमाल बायोगैस उत्पादन के लिए किया जा सकता है।

मेले में काफी संख्या में किसान और आम लोगों के अलावा स्कूली बच्चे भी जानकारी और खरीददारी के लिए पहुंच रहे हैं। प्रयास है कि मेले में पहुंचने वाले लोगों को किसी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाए।'' – प्रो. बीआर काम्बोज, कुलपति, एचएयू हिसार।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	13.03.23	2	1-6

प्रदेश सरकार जैविक खेती को दे रही बढ़ावा : मुख्यमंत्री

कृषि विकास मेला : ढंढेरी गांव के किसान दिनेश ने जीता साढ़े 8 लाख का ट्रैक्टर, नियाणा के किसान ने जीता पावर वीडर

संवाद न्यूज एजेंसी

एचएयू मेले में ट्रैक्टर की सवारी करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल। संवाद

मेले में लगी प्रदर्शनी में बाजरे की फसल को दिखाते मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री व निकाय मंत्री। संवाद

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय कृषि विकास मेले का रविवार को समापन हो गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने कहा कि सरकार धान की फसल के तहत क्षेत्रफल को कम करके कम पानी में उगाई जाने वाली फसलें जैसे मक्का, तिलहन, मूंग, बाजरा के तहत क्षेत्रफल बढ़ाने के लिए किसानों को जागरूक कर रही है।

उन्होंने कहा कि सरकार खेती में रासायनिक कीटनाशक, खरपतरवार नाशक दवाइयों का अंधाधुंध प्रयोग को रोकने के लिए प्राकृतिक खेती व जैविक खेती को बढ़ावा दे रही है, जिससे एक ओर फसल उत्पादन बढ़ेगा वहीं दूसरी ओर मृदा की उर्वरा शक्ति भी बढ़ेगी।

जल संकट की समस्या से निजात पाने के लिए सरकार उपस्थित कुंओं के जीर्णोद्धार के लिए नई योजना तैयार की है। उन्होंने किसानों को नवाचार अपनाते हुए कृषि के साथ-साथ अन्य उद्यम जैसे मशरूम, मधुमक्खी पालन, फूलों की खेती, बागवानी, सब्जी उत्पादन, चारा फसल, पशुपालन, मुर्गी-पालन व मत्सय

संबंधित फोटो के लिए स्कैन करें

को कम करने व लाभदायक व्यवसाय बनाने की सलाह दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता एचएयू के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने की। समारोह में मुख्यमंत्री ने इनामी ड्रॉ भी निकाले। बंपर पुरस्कार के रूप में 55 एचपी का साढ़े 8 लाख की कीमत का ट्रैक्टर हिसार के ढंढेरी गांव निवासी किसान दिनेश को मिला। पॉवर वीडर का इनाम हिसार के नियाणा गांव के किसान जोगिंदर सिंह को मिला। सुपर सीडर का इनाम गांव फरीदाबाद के डीग गांव के

45 प्रतिशत जनसंख्या कृषि पर निर्भर

मेले में किसानों को जानकारी मिली कि पहले जनसंख्या का 70 से 80 फीसदी हिस्सा कृषि पर निर्भर था, लेकिन वर्तमान समय में यह फीसद घटकर 45 तक पहुंच गया है। इसका मतलब है कि हरियाणा सरकार कृषि के साथ-साथ सेवा, चिकित्सा, शिक्षा, सेना सहित अन्य क्षेत्रों पर समान रूप से ध्यान दे रही है। इस दौरान सीएम ने ड्रोन भी चलाया।

छोटे ट्रैक्टर का इनाम फतेहाबाद जिले के गांव हड़ोली के किसान जोगीराम को मिला।

कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि सरकार युवाओं को कृषि क्षेत्र में ट्रेनिंग देकर उद्यमशीलता का गुण विकसित करने का प्रयास कर रही है। किसान अपनी फसलों का विभिन्न ब्योरा मेरी फसल मेरा [illegible] पोर्टल पर अपलोड करवाकर

उनकी जरूरतों के अनुसार योजनाएं तैयार कर रही है। उन्होंने बताया कि बेसहारा पशुओं की बढ़ती संख्या के लिए सरकार ने करीब 400 करोड़ रुपये का बजट तैयार किया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि युवा किसानों को स्वरोजगार शुरू करने में मदद करने के लिए एग्री-बिजनेस इक्यूबेशन सेंटर के माध्यम से उनको तकनीकी ज्ञान व उद्यमशीलता की ट्रेनिंग दी जा रही है। वर्ष 2023 को मोटे अनाजों के वर्ष के तौर पर मनाया जा रहा है। विश्वविद्यालय ने हाल ही में बाजरे, ज्वार की नई-नई किस्में विकसित की है व अन्य मोटा अनाज वाली फसलों पर भी शोध कार्य चल रहा है।

इस अवसर पर डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा, नगर निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता नगर निगम मेयर गौतम सरदाना, बरवाला विधायक जोगीराम सिहाग, हांसी के विधायक विनोद भ्याणा, नारनौंद के विधायक रामकुमार गौतम, रतिया के विधायक लक्ष्मण नापा आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	13.03.23	2	3-8

खेतीबाड़ी

कृषि विकास मेले में एचएयू की ओर से विकसित की गई नई तकनीक से किसानों को कराया रूबरू, बिजाई के समय खराब बीज के प्रयोग से बचेंगे किसान

कागज पर बीज रखकर किसान जान सकेंगे कितने प्रतिशत होगा अंकुरण

संदीप रामायण

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीज विज्ञान एवं तकनीकी विभाग ने कागज का एक ऐसा किट विकसित किया है, जिससे बीज के अंकुरण का पता लगाया जा सकता है। किसान इस किट पर अनाज के कुछ दाने रखेगा। तीन से चार दिन में उस पर बीज अंकुरित हो जाएगा। अंकुरित बीजों की संख्या को गिनकर अंकुरण प्रतिशत का पता लगाया जा सकेगा।

एचएयू में आयोजित कृषि विकास मेले में यूनिवर्सिटी के सीड्स साइंस एवं टेक्नोलॉजी विभाग ने स्टॉल लगाकर किसानों को इस तकनीक की जानकारी दी। विभाग के डॉ. पुनीत ने बताया कि यह तकनीक किसानों के लिए बहुत ही फायदेमंद है। इसके लिए किसानों को जर्मिनेशन पेपर व वैक्स पेपर की किट लेनी होगी। किसान जिस भी फसल की बिजाई करना चाहता है, वह उसके बीच के कुछ दाने जर्मिनेशन व वैक्स पेपर में सामान दूरी पर रखने हैं। इसके बाद दोनों पेपरों को फोल्ड कर देना है। फोल्ड के बाद पेपरों को पानी से भीगो देना है। इसको 4 से 6 दिन तक छांव में रखना है। 6 दिनों में बीज अंकुरित हो जाएंगे।

एचएयू में कागज के बीच तकनीक की जानकारी देते डॉ. पुनीत। संवाद

अंकुरित हुए बीजों की संख्या गिननी है। संख्या के अनुसार किसानों को पता चलेगा कि बीज कितना प्रतिशत अंकुरित होगा। यह तकनीक अपनाकर किसान बिजाई के दौरान बीज की गुणवत्ता को परख सकेंगे। डॉ. पुनीत ने बताया कि पेपर किट लेने के लिए किसान एचएयू से संपर्क कर सकते हैं। संवाद

हिसार आनंद-हिसार सुगंध से महकेगी घर की रसोई

एचएयू के सब्जी विज्ञान विभाग ने मसाला खेती की दिशा में नए तकनीक के बीज तैयार किए हैं। इनमें धनिया की हिसार सुगंध व हिसार आनंद नई किस्म की खोज की है। हिसार आनंद धनिया के पौधों में शाखाएं अधिक निकलती हैं तथा झाड़ीनुमा बढ़ती हैं। यह मध्य पछेती किस्म है तथा पत्ती व दानों के लिए उपयुक्त है। पौधों के तनों का रंग हल्का बैंगनी है, जो कि फसल पकते समय फूल आने पर हल्का हरा हो जाता है। इसके गुच्छे बड़े अधिक व मोटे दानों वाले होते हैं। दाने भूरे-हरे रंग के, जिनकी पैदावार 7-8 क्विंटल प्रति एकड़ हो जाती है। हिसार सुगंध धनिया की उन्नतशील किस्म है, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर अनुमोदित किया गया है। इसके गुच्छे बड़े, अधिक व मोटे दानों वाले होते हैं। यह किस्म 7-8 क्विंटल प्रति एकड़ उपज देती है। अब इन धनिया की किस्म से आपकी रसोई महकेगी।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हिसार में लोगों की समस्याएं सुनीं, बोले

जनसंवाद कार्यक्रमों में शिकायतों की निगरानी होगी मुख्यालय स्तर पर

हिसार, 12 मार्च (हप्र)

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि लोगों को समस्याओं के समाधान को लेकर चंडीगढ़ तक न आना पड़े, इसके लिए सरकार ने सीएम विंडो स्थापित की है, जिसके तहत अब तक करीब साढ़े 10 लाख शिकायतों का निवारण किया जा चुका है। लोगों से रूबरू होकर समस्याओं के समाधान के लिए जिला स्तर पर जन संवाद कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जन संवाद कार्यक्रमों में आने वाली शिकायतें चंडीगढ़ मुख्यालय पर जनसंवाद पोर्टल पर दर्ज होंगी और राज्य स्तर पर मॉनिटरिंग की जाएगी। प्रदेश में अब तक 4 जन संवाद कार्यक्रम आयोजित कर लोगों की शिकायतों का समाधान किया जा चुका है। हिसार में यह 5वां कार्यक्रम है। मुख्यमंत्री रविवार को हिसार के गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के चौ. रणबीर सिंह सभागार में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।

■ जन समस्याओं का समय पर समाधान करना ही सरकार की प्राथमिकता: मनोहर लाल

कार्यक्रम में कुल 428 समस्याएं रखी गई, जो सिंचाई विभाग, विकास एवं पंचायत, पुलिस, स्वास्थ्य, शहरी स्थानीय निकाय, जन स्वास्थ्य, बिजली निगम और परिवार पहचान पत्र आदि से संबंधित रही। मुख्यमंत्री ने शिकायतकर्ताओं की शिकायतों को सुना और उनके समाधान के लिए मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने लोगों से सीधे संवाद के लिए बहुत सी व्यवस्थाएं बनाई हैं, जन संवाद भी उसी का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता को न्याय मिलना जरूरी है और यही सरकार का मकसद है। इसके लिए तीन तीन एमिनेंट पर्सन भी लगाए गए हैं, ताकि पीड़ित के साथ अन्याय न हो। मनोहर लाल ने सिंचाई विभाग से संबंधित शिकायत सुनते हुए कहा कि हमें जल संरक्षण पर भी ध्यान देना है। सूक्ष्म सिंचाई योजना से पानी की भी बचत होती है। लोग सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बिना किसी देरी के लोगों की समस्याओं का समाधान करें। पात्र लोगों को समयबद्ध तरीके से योजनाओं का लाभ मिलना चाहिये। इस मौके पर शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, विधानसभा उपाध्यक्ष रणबीर गंगवा, सांसद बृजेन्द्र सिंह, विधायक जोगीराम सिहाग, विधायक विनोद भ्याना, मेयर गौतम सरदाना, जिला परिषद चेयरमैन सोनू सिहाग, हिसार मंडल आयुक्त गीता भारती, हिसार रेंज के एडीजीपी श्रीकांत जाधव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व शिकायत कर्ता मौजूद रहे। जन संवाद कार्यक्रम में पहुंचने से पहले मुख्यमंत्री ने महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे का हवाई सर्वे किया।

हिसार में रविवार को हरियाणा कृषि विवि में कृषि मेले का भ्रमण करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल। नीचे मेले में लगे स्टॉल पर चौपाल की शान हुक्के के साथ। उनके साथ कृषि मंत्री जेपी दलाल भी मौजूद रहे। -निस

मार्ग का उद्घाटन

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शहर में लेफ्टिनेंट कर्नल सुंदर सिंह मार्ग का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपायुक्त उत्तम सिंह, पुलिस अधीक्षक लोकेंद्र सिंह मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय लेफ्टिनेंट कर्नल सुंदर सिंह में देशभक्ति का जज्बा कूट-कूट कर भरा हुआ था और हर भारतवासी को पारिवारिक सदस्य के रूप में मानते थे। इस अवसर पर कर्नल सुंदर सिंह की बेटी डॉ. सिवाली, जज गौमती मनौचा व डॉ. गीतांजलि, ब्रिगेडियर अशोक कुमार चौटानी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट से कार्गो फ्लाइट होगी शुरू, फल-सब्जियों के निर्यात की तैयारी

हिसार, 12 मार्च (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला-23 के समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि समय की मांग है कि हम सब नई कृषि क्रांति की शुरुआत करें। इस कार्य में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय व शोध संस्थाओं के वैज्ञानिक मिलकर शोध कार्यों के लिए सहयोग करें और नई विधाओं को आगे लेकर आएं। इसके लिए उन्हें प्रोत्साहन दिया जाएगा। इससे खेती में जहां कृषि लागत कम होगी, वहीं अच्छी उपज होने के साथ-साथ किसानों की आमदनी भी बढ़ेगी।

समारोह में कृषि मंत्री जेपी दलाल, शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता भी उपस्थित रहे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने कृषि उपकरणों व उत्पादों से जुड़ी प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने अंडरग्राउंड पाइपलाइन पोर्टल तथा ई-रूपी एप भी लॉन्च किए। मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा के बारे में कहा जाता है, यहां जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान का संगम है, इसके साथ जय पहलवान भी जुड़ता है। हरियाणा कृषि प्रधान प्रदेश है। हमारी दो फीसदी आबादी है, लेकिन सेनाओं में प्रदेश के युवाओं की संख्या 10 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि किसानों की आय को बढ़ाने के लिए नये-नये प्रयोग किए जा रहे हैं। सरकार ने एक्सपोर्ट प्रोमोशन काउंसिल भी बनाई है। इतना ही नहीं, आने वाले समय में महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट से कार्गो फ्लाइट शुरू करने की पहल होगी, ताकि हरियाणा के किसानों की ताजा फल एवं सब्जियां अरब देशों को निर्यात की जा सकें।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि हर बार कृषि विभाग और हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 3 दिन का यह मेला आयोजित किया जाता है। अब यह निर्णय लिया गया है कि भविष्य में इस मेले के स्वरूप को बढ़ाया जाएगा। कृषि विभाग, सीआईआई के साथ-साथ आने वाले वक्त में विदेशी विश्वविद्यालय और विदेशी संस्थाओं की भी इस मेले में भागीदारी होगी।

11 फसलों को खरीद रहे एमएसपी पर

सीएम मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा पहला प्रदेश है, जो 11 फसलों को एमएसपी पर खरीदता है। भावांतर भरपाई योजना के तहत किसानों को एमएसपी और खरीद मूल्य के अंतर को भी किसानों को दिया रहा है। उन्होंने कहा कि पहली बार प्रदेश में हमारी सरकार ने राजस्थान की सीमा के साथ लगते 300 टेल, जहां पिछले 25 साल से पानी नहीं पहुंचा था, वहां भी पानी पहुंचाया है। इस मौके मुख्यमंत्री ने पुरस्कार के ड्रा निकाले। बंपर पुरस्कार 55 एचपी का ट्रैक्टर, जिसकी कीमत साढ़े 8 लाख है, गांव ढंढेरी हिसार के दिनेश को मिला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	13.03.23	1	9-8

सुबह हवाई सर्वे..

हवाई अड्डे का परियल सर्वे करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल। ● डीआईपीआरओ

दोपहर में ट्रैक्टर की सवारी...

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के मेला ग्राउंड में आयोजित हरियाणा कृषि विकास मेले में ट्रैक्टर पर बैठे हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल। ● जागरण

शाम को पार्क में विमर्श...

सीएम रात पौने नौ बजे शहर में निकले। मुख्यमंत्री ने पहले कृष्णा नगर और फिर सेक्टर 9-11 में पार्क समितियों की तरफ से तैयार किए गए पार्क देखे। शहर के स्ट्रीट लाइट पर लगाई गई तिरंगा लाइटों की भी तारीफ की। ● जागरण

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	13.02.23	5	1-5

हिसार से उड़ेंगे कारगो जहाज, किसान अरब देशों में बेच पाएगा फल व सब्जियां

मुख्यमंत्री ने हिसार के एचएयू में किसान मेले के समापन पर किया संवाद

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि मेले का रविवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने समापन किया। मुख्यमंत्री ने कृषि मेले में विभिन्न स्टालों पर जाकर निरीक्षण किया और कृषि में नई तकनीकों की जानकारी ली। यहां आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने किसानों से सीधा संवाद भी किया। मुख्यमंत्री ने किसानों से जुड़ी अनेक योजनाओं के बारे में बताया और कहा कि प्रधानमंत्री का सपना है कि हर किसानों की आमदनी दोगुनी हो। इसके लिए किसान को लागत कम और फसल का मूल्य ज्यादा लेना होगा। प्रदेश सरकार भी इस दिशा में काम कर रही है। सरकार ने एक एक्सपोर्ट काउंसिल बनाई है। हिसार में बन रहे एयरपोर्ट का फायदा बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर का एयरपोर्ट बन रहा है। पैसेंजर की फ्लाइट जब चलेगी तब चलेगी मगर उससे पहले हम यहां कारगो जहाज उड़ाएंगे। हरियाणा की ताजा फल व सब्जियां यहां से लादकर अरब देशों में भेजेंगे। अरब देशों में ना फल होता है और ना ही सब्जी। यह सब बाहर से मंगवाते हैं। उनके पास तेल का पैसा बहुत है। हम सब्जियां भेजकर तेल मंगवा सकते हैं। हम क्यूं ना कारगो की फ्लाइट शुरू कर दें। हमारे यहां खेत में रोजाना जहां सब्जियां उगती हैं। खेतों से सब्जियां गाड़ियों व टैंपों में भरकर हिसार आएंगी और हिसार में पैकिंग कर इन पर स्टीकर लगाकर हम कारगो के माध्यम से अरब देशों में शाम तक सब्जी भेज देंगे। हरियाणा की ताजी सब्जियां अरब देशों में बिकने लगेंगी।

हिसार के चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मेला ग्राउंड में आयोजित हरियाणा कृषि विकास मेले में चारपाई पर बैठ कर मेले में रखे हुक्के को गुड़गुड़ाते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल। • बुलठव बजाज

पानी बचाने पर दिया जोर, माइक्रो इरिगेशन पर जोर

सीएम ने किसानों से पानी बचाने की भी अपील करते हुए माइक्रो इरिगेशन पर जोर दिया। कुछ जिलों में पानी खेती के लिए तो क्या पीने के लिए भी नहीं मिलता है। उन लोगों की हमें फिक्र करनी है। जहां ज्यादा पानी है वहां बचाएंगे और जहां नहीं है वहां देंगे। उन्होंने बताया कि माइक्रो इरिगेशन पर सरकार सब्सिडी दे रही है। इतना ही नहीं कुएं बनवाने के लिए भी सरकार सिर्फ किसान से 25 हजार लेगी बाकि का पांच लाख का जितना भी खर्च बैठता है सरकार वहन करेगी।

अब प्रदेश में नई कृषि क्रांति की जरूरत : मुख्यमंत्री ने कहा कि हल चलाने का सबसे प्रयोग हरियाणा के कुरुक्षेत्र में राजा कुरु ने शुरू किया था। हरियाणा कृषि का केंद्र है। हरित क्रांति का काम यहां से शुरू हुआ। हमने सारे देश को अन्न खिलाया। हम पहले गेहूं आयात करते थे। रूस से गेहूं आता था। फिर हमने अच्छी क्वालिटी का गेहूं तैयार किया। जब हमारी 80 प्रतिशत जनता कृषि पर निर्भर थी। इसके बाद औद्योगिक क्षेत्र में आगे बढ़े। इसके बाद सेवाओं में हम जाने लगे। अब 48 प्रतिशत परिवार कृषि पर निर्भर हैं। मगर आज हरियाणा में पानी की स्थिति अच्छी नहीं है। हमें यमुना का थोड़ा बहुत जल मिलता है। धान की फसल को अब हमें धीरे-धीरे छोड़कर दूसरे विकल्प अपनाने होंगे। इसके लिए सरकार सात हजार प्रति एकड़ मुआवजा भी दे रही है। इस बार कृषि का बजट भी हमने बढ़ाया है। नई योजनाएं लाएं हैं। अब कृषि में बदलाव की जरूरत है। इसलिए एक और कृषि क्रांति करनी पड़ेगी मगर यह तब संभव है जब इमानदारी से बजट खर्च होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में खाली जमीन छोड़ने के भी पैसे दिए जाएंगे। इस योजना पर सरकार काम कर रही है। इससे भूमि व किसान दोनों को फायदा होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	13.02.23	3	2-6

धान की जगह दूसरी फसल लगाओ नहीं तो जमीन खाली छोड़ दो : मुख्यमंत्री

जागरण संवाददाता, हिसार : धान हरियाणा की फसल नहीं है। किसान मुनाफे के लिए इसे लगाते हैं मगर अब प्रदेश में पानी का संकट है। कुछ जिलों में तो पेयजल भी पर्याप्त उपलब्ध नहीं हो पाता है। ऐसे में हमारी जिम्मेदारी है कि हम पानी बचाएं। यह बात हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेले में समापन पर कही। मुख्यमंत्री ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि हरियाणा के पास खुद का पानी नहीं है।

दूसरे राज्यों पर हम निर्भर है। यमुना का पानी है मगर यह हमारे लिए पर्याप्त नहीं है। जमीन के पानी का दोहण होने से वाटर लेवल नीचे चला गया है। टेल तक पानी पहुंचाने के लिए पूरा जोर लगाना पड़ता है। सरकार ने मेरा पानी मेरी विरासत स्कीम चलाई हुई है, ताकि बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधन जल को आने वाली पीढ़ियों तक बचाया जा सकें। इसलिए किसानों को माइक्रो इरिगेशन पर आना होगा।

किसानों को धान की जगह दूसरी फसल लगाने का विकल्प देखना होगा। सरकार इसके लिए प्रति एकड़ सात हजार रुपये प्रोत्साहन राशि दे रही है। अब हम जमीन खाली छोड़ने पर भी प्रोत्साहन राशि देने पर विचार कर रहे हैं। इससे जमीन को भी फायदा होगा। पहले हमारे बुजुर्ग जमीन को खाली छोड़ा करते थे। इससे भूमि की उपजाऊ क्षमता बढ़ती है। मुख्यमंत्री ने बताया कि कृषि के उत्थान के लिए सरकार कृषि के साथ-साथ उद्योगों का विकास करने के लिए भी नई योजनाएं तैयार कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा देश का ऐसा पहला राज्य है, जो 11 फसलों पर एमएसपी देकर किसानों के हितों की सुरक्षा कर रहा है। इसके अलावा 20 सब्जियों की खेती को लाभदायक बनाने के लिए भावांतर भरपाई योजना चलाई जा रही है।

एचएयू हिसार के मेला ग्राउंड में आयोजित हरियाणा कृषि विकास मेले में ड्रोन को उड़ाते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल। ● जागरण

इनको मिले पुरस्कार

बंपर पुरस्कार के रूप में 55 एचपी का ट्रैक्टर, जिसकी कीमत साढ़े आठ लाख रुपये है, का इनाम गांव ढंढेरी, हिसार के दिनेश को मिला। इसके अलावा, पावर वीडर का इनाम जोगिंदर सिंह, गांव नियाणा, जिला हिसार को मिला। सुपर सीडर का इनाम अजीत सिंह, गांव डीग, जिला फरीदाबाद तथा 20एचपी छोटे ट्रैक्टर का इनाम जोगीराम, गांव हड़ोली, जिला फतेहाबाद को मिला। वहीं इस मौके पर मुख्यमंत्री ने अंडरग्राउंड पाइपलाइन पोर्टल और ई-रूपी ऐप भी लांच किए।

अगले छह माह बाद बेसहारा पशु गली-गली नजर नहीं आएंगे 400 करोड़ रुपये का बजट तैयार : कृषि मंत्री

कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि सरकार युवाओं को कृषि क्षेत्र में ट्रेनिंग देकर उद्यमशीलता का गुण विकसित करने का प्रयास कर रही है। किसान अपनी फसलों का विभिन्न ब्यौरा मेरी फसल मेरा ब्यौरा नामक पोर्टल पर अपलोड करवाकर उनकी जरूरतों के अनुसार योजनाएं तैयार कर रही है। उन्होंने बताया कि बेसहारा पशुओं की बढ़ती संख्या के लिए सरकार ने करीब 400 करोड़ रुपये का बजट तैयार किया है। अगले छह माह बाद ये बेसहारा पशु गली-गली नजर नहीं आएंगे। दूसरी बड़ी समस्या है वर्षा की अनिश्चितता व बे-मौसम बारिश से निपटने के लिए भी सरकार ने 1200 करोड़ रुपये का बजट तैयार किया है। उन्होंने किसानों के हित में सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न स्कीमों की जानकारी दी। कार्यक्रम में हरियाणा में अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं कुलपति, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल आईएएस डा. सुमिता मिश्रा ने तीन दिवसीय मेले की विस्तृत रिपोर्ट पेश की।

मेला ग्राउंड में आयोजित हरियाणा कृषि विकास मेले में प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल व अन्य। ● जागरण

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	13.03.23	3	1-5

भास्कर खास • एचएयू में चल रहे कृषि विकास मेले में हरियाणा के अलावा पंजाब, राजस्थान के किसान पहुंचे

मूंग की किस्म विकसित; नहीं लगेगा पीलेपन का रोग, लाल व पीले चैरी टमाटर से विटामिन ए और सी अधिक मिलेगा

महबूब अली | हिसार

हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी (एचएयू) में चल रहे कृषि विकास मेले में तीसरे दिन भी हरियाणा के अलावा पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के किसान पहुंचे। मेले में फसलों की विभिन्न प्रजातियां आकर्षण का केंद्र रही। साउथ इंडिया में उगाई जाने वाले फूल कैला लिली की जानकारी में किसानों में उत्साह दिखा वहीं, मूंग की रोग प्रतिरोधक किस्म एमएच 1142 को खरीदने में भी खूब दलचस्पी दिखाई। इसी तरह काले रंग की गाजर, पीले व लाल रंग के चैरी टमाटर ने सबका ध्यान खींचा। एचएयू कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने बताया कि मेले में मूंग की एमएच 1142 किस्म की भी अधिक मांग रही। इंडियन फार्म फॉरेस्ट्री डेवलपमेंट कोऑपरेटिव लिमिटेड) के स्टेट कोर्डिनेटर आशीष कुमार व वैज्ञानिक डा. आरवी सिंह ने बताया कि इसकी खासियत यह है कि इसमें प्रतिरोधक क्षमता अधिक है। पीलापन रोग इसमें नहीं लगता है। इससे 5 क्विंटल प्रति एकड़ तक पैदावार मिलती है। 70 दिन में यह पककर तैयार हो जाती है। एमएचयू के वैज्ञानिक प्रो. डॉ. सुरेश अरोड़ा ने बताया कि चैरी टमाटर का प्रयोग भी सफल रहा है। ये टमाटर अक्सर दिल्ली या फिर अन्य बड़े शहरों में सलाद के रुप में इस्तेमाल किए जाते हैं। लाल रंग के लिए पंजाबी रेड ब्यूटी किस्म बेहतर है। एक पौधे पर 3 किलो तक चैरी टमाटर प्राप्त किए जा सकते हैं। इसमें विटामिन सी और ए की मात्रा भी अधिक है। पाचन क्रिया को भी ठीक रखते हैं।

लाल व चैरी टमाटर।

ऑस्ट्रेलिया में मिलने वाले कैला लिली फूल उगाने का ट्रायल सफल

एचएयू के वैज्ञानिक डॉ. अरविंद मलिक ने बताया कि कैला लिली फूल विशेष प्रकार की प्रजाति है। यह अधिकतर ऑस्ट्रेलिया और खासकर साउथ इंडिया पुणे आदि में उगाई जाती है। इसे ट्रायल के तौर पर एचएयू में उगाया गया था, जो सफल रहा है। जल्द ही किसानों को भी पौध उपलब्ध कराकर इसे उगाने के तरीके बताए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कैला लिली में सुंदर आकार के फूल खिलते हैं, जिन्हें विशेष अवसरों पर गुलदस्ते और घर के बगीचों के लिए मांगा जाता है। इसके फूल विभिन्न रंगों में आते हैं। सफेद और हल्के गुलाबी से लेकर गहरे बरगंडी तक, चमकीले नारंगी और काले जैसे नाटकीय रंगों में कुछ हालिया संकरों के साथ। वे लंबे समय तक चलने वाले कटे हुए फूल हैं और शादी में लोकप्रिय हैं।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	13.03.23	4	3-7

कृषि विकास मेला • सीएम ने की नई सोच वाले किसानों की सराहना, बोले- अन्य किसान इनसे लें सीख

प्रदेशभर के 287 प्रगतिशील और अन्य किसानों को किया सम्मानित, 1.60 करोड़ के दिए इनाम

भास्कर न्यूज़ | हिसार

एचएयू में चल रहे कृषि विकास मेले का रविवार को समापन हो गया। समापन अवसर पर सीएम और अन्य अधिकारियों ने प्रदेशभर के 287 किसानों को सम्मानित किया। लक्की ड्रा समेत प्रतियोगिताओं में उच्च स्थान प्राप्त करने वालों समेत किसानों को कुल 1 करोड़ 60 लाख के इनाम बांटे गए। लक्की ड्रा में इस बार 8 लाख 25 हजार का ट्रैक्टर भी किसानों को दिया गया। सीएम मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि प्रगतिशील किसानों से अन्य को भी प्रेरणा लेनी चाहिए।

सम्मानित होने वाले किसान : प्रभुवाला का कार्तिक, नरेश पीरावाली, आर्यनगर के राजेंद्र, फतेहाबाद के सतीश, महेंद्रगढ़ के रोबिन, प्रभुवाला के शिव शंकर, संजय कुमार, महेंद्रगढ़ के सचिन, महेंद्रगढ़ के नवीन, सुनील, अंशुल, रामदास आदि। प्रगतिशील किसानों ने सीएम और अन्य अधिकारियों के सामने स्टेज पर बयां की अपने संघर्ष की कहानी...

दिन के अति व्यस्त शेड्यूल के बाद सीएम ने देर रात को सार्वजनिक पार्कों का दौरा किया। उन्होंने आमजन से चर्चा कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉक्टर कमल गुप्ता, मेयर गौतम सरदाना, नगर आयुक्त प्रदीप दहिया भी मौजूद रहे।

डॉक्टरी के साथ-साथ खेतीबाड़ी कर मिसाल बने महेंद्रगढ़ के किसान नवीन : महेंद्रगढ़ के किसान नवीन ने बताया कि वह डाक्टर हैं। पिता से सीख लेकर पिछले पांच साल से डाक्टरी के साथ-साथ बागवानी भी कर रहे हैं। गेहूं, सरसों के साथ-साथ वह पांच एकड़ में अमरूद, बेर, किन्नू आदि की बुवाई करते हैं। इसके अलावा फसलों के बीच में मटर, लहसुन और अन्य सब्जियां उगाते हैं। अन्य कई किसानों को भी इन्होंने रोजगार दिया हुआ है। इनका कहना है कि खेती के सा-साथ बागवानी कर किसान अधिक मुनाफा कमा सकते हैं।

40 वर्षों से चला आ रहा गेहूं-धान का फसल चक्र छोड़ ढाई साल से ऑर्गैनिक तरीके से फल व सब्जियों की खेती की

सिरसा के रहने वाले किसान मुकेश कम्बोज ने करीब ढाई साल पहले ही धान और गेहूं की खेती को छोड़कर फल और सब्जी की ड्रिप व माइक्रो फव्वारा सिंचाई विधि से जैविक कर खेती करनी शुरू की थी। जैविक खेती से खेती कर किसान लाखों कमा रहे हैं। यही नहीं, हरियाणा के अलावा पंजाब, यूपी, राजस्थान व अन्य प्रदेशों के किसानों को भी जैविक विधि से फल और सब्जी की खेती के टिप्स दे रहे हैं। हर माह मुकेश 200 से अधिक किसानों को निशुल्क टिप्स दे रहे हैं। सिरसा जिला प्रशासन व एचएयू के पदाधिकारी भी मुकेश को सराहनीय कार्य के लिए सम्मानित कर चुके हैं। मुकेश ने बताया कि उन्होंने अपने खेत में ही करीब आधा एकड़ में फलदार पौधे लगाकर किसानों को निशुल्क ट्रेनिंग देने के लिए ट्रेनिंग सेंटर बनाया हुआ है।

किसान बोले- कम से कम चाय का ही इंतजाम कर देते मेले के आयोजक, 100 रुपये में मिली खाने की थाली

हिसार | एचएयू में हुआ किसान मेला शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न हो गया। मगर किसानों में इस बात को लेकर आक्रोश देखने को मिला कि किसानों के लिए आयोजककर्ताओं ने नि:शुल्क चाय से लेकर खाने तक का इंतजाम नहीं किया हुआ था। खाने के स्टॉल तक लगाए हुए थे मगर खाना 100 रुपये प्लेट दिया गया। हिसार के किसान मनोज कुमार, रामबीर, फतेहाबाद के रणजीत, सिरसा के जगबीर ने कहा कि खाने के उनसे 40 रुपये अधिक लिए ग, जबकि एक प्लेट रुपये बाहर से आसानी से मिल जाती है। आयोजककर्ताओं को किसानों के लिए खाने का निशुल्क इंतजाम करना चाहिए था।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	13.03.23	2	2-5

मुख्यमंत्री ने कृषि मेले में किसानों को पुरस्कार वितरित किए

अरब देशों को फल एवं सब्जियां निर्यात करने के लिए हिसार से कार्गो फ्लाइट शुरू की जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि आज समय की जरूरत है कि हम सब एक नई कृषि क्रांति की शुरुआत करें। इस कार्य में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय व शोध संस्थाओं के वैज्ञानिक मिलकर शोध कार्यों के लिए सहयोग करें और नई विधाओं को आगे लेकर आएं। इसके लिए उन्हें प्रोत्साहन दिया जाएगा। इससे खेती में जहां कृषि लागत कम होगी, वहीं अच्छी उपज होने के साथ-साथ किसानों की आमदनी भी बढ़ेगी। मुख्यमंत्री आज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 के समापन अवसर पर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की आय को बढ़ाने के लिए नये-नये प्रयोग किए जा रहे हैं। सरकार ने एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल भी बनाई है। इतना ही नहीं, आने वाले समय में महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट से कार्गो फ्लाइट शुरू करने की पहल की जाएगी, ताकि हरियाणा के किसानों की ताजा फल एवं सब्जियां अरब देशों को निर्यात की जा सके। मुख्यमंत्री ने कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आग्रह किया कि वे कम लागत और अधिक पैदावार कैसे हो, इस विषय पर शोध करें और उन्नत किस्म के बीज तैयार करें। साथ ही खाद्यानों की मार्केटिंग के लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित हो, यह कार्य मार्केटिंग बोर्ड द्वारा किया जाए। मुख्यमंत्री ने मेले में प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने इनामी ड्रा भी निकाले। मुख्यमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए डीबीटी के माध्यम से सब्सिडी व अन्य प्रकार की आर्थिक मदद सीधे किसानों के खाते में भेजी जा रही है। लगभग 52 हजार करोड़ रुपये सीधे किसानों के खाते में भेजे गए और पारदर्शिता आने से सरकार को 1200 करोड़ रुपये की बचत हुई। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगभग 80 लाख एकड़ भूमि खेती योग्य है, इस भूमि की एक-एक इंच का विवरण तैयार किया जा रहा है।

- कृषि लागत कम करने को मिलकर शोध करें वैज्ञानिक

हिसार। कृषि मेले में प्रगतिशील किसानों को सम्मानित करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

चरखी दादरी में 39वीं राज्य पशुधन प्रदर्शनी में खट्टर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे मुख्यमंत्री

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री मनोहर लाल सोमवार को चरखी दादरी में आयोजित की जा रही 39वीं राज्य पशुधन प्रदर्शनी के समापन पर खट्टर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। मुख्यमंत्री मेले में अव्वल स्थान प्राप्त करने वाले पशुओं के मालिक को लाखों रुपए के इनाम प्रदान करेंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री डॉ. संजीव बालियान, हरियाणा के पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जय प्रकाश दलाल, सांसद धर्मवीर सिंह सहित कई विधायक और पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उच्चाधिकारी भी शामिल होंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	13-03-23	8	2-6

मुख्यमंत्री बोले, दो प्रतिशत की आबादी वाले प्रदेश की सेना में 10% हिस्सेदारी

हरियाणा में जय जवान, जय किसान जय अनुसंधान से जय खिलाड़ी जुड़ा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के बारे में कहा जाता है यहाँ जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान का संगम है, इसके साथ जय पहलवान भी जुड़ता है। हरियाणा कृषि प्रधान प्रदेश है। हमारी 2 प्रतिशत आबादी है, लेकिन सेनाओं में प्रदेश के युवाओं की संख्या 10 प्रतिशत है। उन्होंने रविवार को हकृवि में आयोजित किसान मेले के समापन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की आय को बढ़ाने के लिए नये-नये प्रयोग किए जा रहे हैं। सरकार ने एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल भी बनाई है। इतना ही नहीं, आने वाले समय में महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट से कार्गो फ्लाइट शुरू करने की पहल की जाएगी, ताकि हरियाणा के किसानों की ताजा फल एवं सब्जियां अरब देशों

वर्तमान राज्य सरकार ने टेलों तक पहुंचाया पानी

मनोहर लाल ने कहा कि पहली बार प्रदेश से हमारी सरकार ने राजस्थान की सीमा के साथ लगते 300 टेलों, जहाँ पिछले 25 साल से पानी नहीं पहुंचा था वहां भी हमने पानी पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि प्रगतिशील किसान आगे अन्य किसानों को प्रगतिशील बनाने में सहयोग करेंगे, उन किसानों को सरकार की ओर से ईनाम दिए जाएंगे।

भविष्य में विदेशी विश्वविद्यालय और विदेशी संस्थाओं की भी होगी कृषि मेले में भागीदारी : जेपी दलाल

कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि हर बार कृषि विभाग और हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 3 दिन का यह मेला आयोजित किया जाता है। अब यह निर्णय लिया गया है कि भविष्य में इस मेले के स्वरूप को बढ़ाया जाएगा। कृषि विभाग, सीआईआई के साथ - साथ आने वाले वक्त में विदेशी विश्वविद्यालय और विदेशी संस्थाओं की भी इस मेले में भागीदारी होगी। उन्होंने कहा कि वे और मुख्यमंत्री स्वयं किसान है और किसान के हित की कोई भी बात होगी तो देश में सबसे पहले हरियाणा में ही होगी। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के लोग किसानों को वोट बैंक समझते थे, लेकिन हम किसान को अपना भाई समझते हैं। किसान हमारे अन्नदाता है। हमारी कोशिश है कि हमारा किसान समृद्ध हो, आत्मनिर्भर हो। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने किसानों का बजट जो वर्ष 2014 में 20 से 25,000 करोड़ रुपये था, उसको 1,25,000 करोड़ किया है। हरियाणा में भी कृषि का जो बजट छः गुना बढ़ाया है। इस बार के बजट में भी मुख्यमंत्री ने बेसहारा पशुओं की देखभाल के लिए 40 करोड़ रुपये के बजट को 400 करोड़ रुपये बढ़ा दिया है। प्रदेश में मंडियों का सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है और गन्नौर में इंटरनेशनल मंडी बनाई जा रही है। किसानों के खाते में सीधा

हरियाणा पहला प्रदेश है, जहां एमएसपी पर 11 फसलों की खरीद

मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि योग्य जोत लगातार कम हो रही है। जिससे किसान पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। ऐसे में किसानों को प्राकृतिक खेती के साथ आजीविका के दूसरे स्रोत अपनाने होंगे। एमएसपी पर 11 फसलें खरीदने वाला हरियाणा देश का एकमात्र राज्य है।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार दे रही अनेक प्रकार की सब्सिडी

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज केमिकल व कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग से खाद्यान्नों की गुणवत्ता प्रभावित हो गई है, इस पर ध्यान देने जरूरत है। इसके लिए प्राकृतिक खेती को अपनाना चाहिए। सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए अनेक प्रकार की सब्सिडी दे रही है। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि लगातार पानी के दोहन से भूमिगत जल नीचे जा रहा है। पानी की कमी के चलते किसान नगदी फसलों को अपनाए, जिनमें फल, फूल, सब्जी के साथ-साथ मधुमक्खी पालन, पशुपालन तथा मत्स्य पालन आदि शामिल है।

किसानों को 25 हजार में रिचार्जिंग बोरवेल

मुख्यमंत्री ने कहा कि समय को देखते हुए हमें पानी की खपत को कम करना होगा। पानी के समुचित उपयोग के लिए सूक्ष्म सिंचाई को अपनाना होगा। सूक्ष्म सिंचाई के लिए सरकार किसानों को 85 प्रतिशत तक की सब्सिडी दे रही है। इसके अलावा, बरसाती पानी को वापिस जमीन में डालने के लिए बोरवेल

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	13.07.23	2	1-2

कृषि मेले में नाटक मंचन से लोगों को एचआईवी के खिलाफ जागरूक किया

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में चल रहे तीन दिवसीय कृषि विकास मेले के दौरान स्वास्थ्य विभाग की तरफ से मेले में आने वाले लोगों को नाटक के माध्यम से एचआईवी के बारे में जागरूक किया गया।

एचआईवी विभाग के उप सिविल सर्जन डॉ. मुकेश कुमार और नोडल अधिकारी डॉ. अक्षय दूहन ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग और हंस रंग नाट्य संस्था करनाल की टीम ने एचआईवी, एड्स आदि घातक बीमारियों के फैलने, बचाव और उपाय के बारे में जागरूक किया। इन मुद्दों पर नाटकों के माध्यम से बताया गया कि जांच करवाने में किसी प्रकार का मन में कोई संकोच नहीं होना चाहिए।

एचएयू में नाटक करते कलाकार। संवाद

चिकित्सकों ने बताया कि हर तीसरे महीने में एड्स की जांच करवानी चाहिए। क्योंकि यह वायरस शरीर में आते ही तुरंत जांच में पकड़ में नहीं आता है और बिना जांच के शरीर में लक्षणों के आने में करीब आठ से दस साल तक भी लग सकते हैं। इसके मुख्य लक्षण वजन का कम होना, बहुत ज्यादा पसीना आना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	13-03-23	5	1-8

नई कृषि क्रांति की विधाओं को देंगे प्रोत्साहन : मुख्यमंत्री

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार दे रही सब्सिडी

भविष्य में विदेशी विश्वविद्यालय और संस्थाओं की भी होगी कृषि मेले में भागीदारी : दलाल

रिचार्जिंग बोरवैल के लिए किसानों को देने होंगे मात्र 25 हजार रुपए

11 फसलों की होती है एम.एस.पी. पर खरीद

कृषि विकास मेले में ड्रोन को लेकर किसानों में उत्साह

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	13.03.23	5	1-8

जन संवाद कार्यक्रमों में आने वाली शिकायतों की चंडीगढ़ मुख्यालय पर होगी मॉनिटरिंग : मुख्यमंत्री

*** मुख्यमंत्री ने हिसार में जन संवाद कार्यक्रम में सुनी लोगों की समस्याएं * घर द्वार पर लोगों की समस्याएं सुनने और उनका समाधान करने की पहल है जन संवाद कार्यक्रम**

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल हिसार में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित हरियाणा कृषि विकास मेला- 2023 में लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए। साथ हैं कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे. पी दलाल, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बी. आर. कम्बोज व अन्य गणमान्य व साथ हैं कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे. पी दलाल, शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बी. आर. कम्बोज व अन्य गणमान्य तथा साथ में हैं शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बी. आर. कम्बोज व अन्य गणमान्य, हरियाणवी चौपाल की शान हुक्के के साथ। साथ हैं कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे. पी दलाल व समापन समारोह में उपस्थित जन को सम्बोधित करते हुए।

हिसार, 12 मार्च (विरेन्द्र वर्मा): हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि लोगों को समस्याओं के समाधान को लेकर चंडीगढ़ तक न आना पड़े, इसके लिए सरकार ने सीएम विंडो स्थापित की है, जिसके तहत अब तक करीब साढ़े 10 लाख शिकायतों का निवारण किया जा चुका है। लोगों से रूबरू होकर समस्याओं के समाधान के लिए हर जिला स्तर पर जन संवाद कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जन संवाद कार्यक्रमों में आने वाली शिकायतें चंडीगढ़ मुख्यालय पर जन संवाद पोर्टल पर दर्ज होंगी और राज्य स्तर पर मॉनिटरिंग की जाएगी। प्रदेश में अब तक 4 जन संवाद कार्यक्रम आयोजित कर लोगों की शिकायतों का समाधान किया जा चुका है। हिसार में यह 5वां कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए वचनबद्ध है।

मुख्यमंत्री रविवार को हिसार के गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के चौ. रणबीर सिंह सभागार में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में कुल 428 समस्याएं रखी गई, जो सिंचाई विभाग, विकास एवं पंचायत, पुलिस, स्वास्थ्य, शहरी स्थानीय निकाय, जन स्वास्थ्य, बिजली निगम और परिवार पहचान पत्र आदि से संबंधित रही। मुख्यमंत्री ने शिकायतकर्ताओं की शिकायतों को सुना और उनके समाधान के लिए मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने लोगों से सीधे संवाद के लिए बहुत सी व्यवस्थाएं बनाई हैं, जन संवाद भी उसी का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता को न्याय मिलना जरूरी है और यही सरकार का मकसद है। इसके लिए तीन तीन एमिनेंट पर्सन भी लगाए गए हैं, ताकि पीड़ित के साथ अन्याय न हो। मनोहर लाल ने सिंचाई विभाग से सम्बंधित शिकायत सुनते हुए कहा कि हमें जल संरक्षण पर भी ध्यान देना है। सूक्ष्म सिंचाई योजना से पानी की भी बचत होती है। लोग सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं। सरकार ने आमजन के हित के लिए अनेक योजनाएं लागू की हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिकारी बिना किसी देरी के लोगों की समस्याओं का समाधान करें। पात्र लोगों को समयबद्ध तरीके से योजनाओं का लाभ मिलना चाहिये। इस मौके पर शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, विधानसभा उपाध्यक्ष रणबीर गंगवा, सांसद बृजेंद्र सिंह, विधायक जोगीराम सिहाग, विधायक विनोद भयाना, गौतम सरदाना, जिला परिषद चेयरमैन बीनू सिहाग, मंडल आयुक्त गीता भारती, हिसार रेंज के एडीजीपी श्रीकांत जाधव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व शिकायतकर्ता मौजूद रहे। जन संवाद कार्यक्रम में पहुंचने से पहले मुख्यमंत्री ने महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे का हवाई सर्वेक्षण किया। मुख्यमंत्री ने शहर में लेफ्टिनेंट कर्नल सुन्दर सिंह मार्ग का उद्घाटन किया।